RNI : UAHIN/25/A3210

आवाम इंडिया

हिन्दी साप्ताहिक

वर्षः 01 अंकः 04 देहरादून, शुक्रवार 01 मई 2026 मूल्य 2 रुपये पृष्ठः 8 www.aawamindia.com

कैबिनेट बैठक : आठवीं तक के मदरसे जिला समिति से होंगे संबद्ध

देहरादून। उत्तराखंड कैबिनेट बैठक में आज 18 प्रस्ताव आए, जिनमें से उत्तराखंड मोटरयान संशोधन नियमावली 2026 सहित कई प्रस्तावों को मंजूरी मिली। सचिव मुख्यमंत्री शैलेश बगोली ने कैबिनेट ब्रीफिंग की। गुरुवार को हुई बैठक में उत्तराखंड मोटरयान संशोधन नियमावली 2026 को मंजूरी। प्रवर्तन अधिकारी भी वर्दी पहनेंगे। वहीं शहरी विकास कुंभ मेला के लिए कार्यों की स्वीकृति आसान होगी। एक करोड़ तक के मेला अधिकारी, 5 करोड़ तक के मंडलायुक्त और बाकी शासन से स्वीकृत होंगे।

महत्वपूर्ण फैसले

आबकारी नीति में व्यय दर 6% निर्धारित की गई थी, जिसके अनुरूप वाणिज्य कर विभाग ने अपनी नियमावली में संशोधन को मंजूरी दी।

परिवहन विभाग के तहत बसों की खरीद को मंजूरी दी गई। पहले 100 बसों की अनुमति थी, लेकिन जीएसटी दर 28% से घटकर 18% होने के बाद अब 109 बसें खरीदी जाएंगी।

उत्तराखंड अधीनस्थ वन सेवा नियमावली 2016 में संशोधन को मंजूरी।वन दरोगा की आयु सीमा 21 से 35 वर्ष तय की गई।

-वन आरक्षी की आयु सीमा 18 से बढ़ाकर 25 वर्ष की गई।

-जिला सैनिक कल्याण अधिकारी को अब सदस्य के रूप में शामिल किया जाएगा।-

शेष पृष्ठ 2 पर.....

मुख्यमंत्री ने हल्द्वानी में वरिष्ठ नागरिक सम्मान एवं खेल समारोह में किया प्रतिभाग

हल्द्वानी। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने आज हल्द्वानी स्थित डॉ सुशीला तिवारी राजकीय मेडिकल कॉलेज प्रेक्षागृह में आयोजित वरिष्ठ नागरिक सम्मान एवं खेल समारोह-2026 में प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि समाज में बुजुर्गों का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है और उनका सम्मान ही किसी भी सभ्य समाज की पहचान है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठजन समाज और राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं, जिनके अनुभव और मार्गदर्शन से समाज को सही दिशा मिलती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस परिवार और समाज में बुजुर्गों का सम्मान होता है, वहां सुख, शांति और समृद्धि का वास होता है। उन्होंने वरिष्ठजनों को समाज की मजबूत जड़ों की संज्ञा देते हुए कहा कि उनका आशीर्वाद और मार्गदर्शन सामाजिक संरचना को सुदृढ़ बनाए रखता है।

उन्होंने समारोह में वरिष्ठ नागरिकों द्वारा वॉलीबॉल, फुटबॉल और बैडमिंटन जैसी प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि यह संदेश देता है कि उम्र केवल एक संख्या है और जीवन में ऊर्जा एवं उत्साह का कोई विकल्प नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, सुरक्षा और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने बताया कि विभिन्न योजनाओं जैसे अटल वयोअभ्युदय योजना, प्रधानमंत्री वय वंदना योजना और राष्ट्रीय वयोश्री योजना के माध्यम से

शेष पृष्ठ 2 पर.....

- **बुजुर्गों को बताया समाज और राष्ट्र की अमूल्य धरोहर**
- **राज्य में 6 लाख से अधिक वरिष्ठजनों को मिल रही पेंशन का लाभ**
- **वृद्धाश्रमों के विस्तार और आधुनिकीकरण पर सरकार का फोकस**
- **जेरियाट्रिक केयर गिवर प्रशिक्षण कार्यक्रम को दिया जा रहा बढ़ावा**
- **वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान और सुरक्षा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई**

पृष्ठ 1 का शेष.....

कैबिनेट बैठक : आठवीं तक के मदरसे.....

उत्तराखंड अल्पसंख्यक अधिनियम 2025 पहले ही अधिसूचित किया जा चुका है।

कक्षा 1 से 8 तक के 452 मदरसों को अब जिला स्तर से मान्यता मिलेगी।

कक्षा 9 से 12 तक के लगभग 52 मदरसों को उत्तराखंड बोर्ड से मान्यता लेनी होगी। इस संबंध में जल्द अध्यादेश लाया जाएगा।

प्रतीक्षा सूची (वेटिंग लिस्ट) अब एक वर्ष तक ही वैध मानी जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुरूप विशेष शिक्षा शिक्षकों की अर्हता तय करने वाली नियमावली को मंजूरी।

सहायक अध्यापकों के लिए सेवा नियमावली को स्वीकृति।

लोक निर्माण विभाग (लोनिवि): हाईकोर्ट के आदेश के संदर्भ में जेई भर्ती से जुड़े मामलों की जानकारी कैबिनेट के संज्ञान में लाई गई।

वर्कचार्ज कर्मियों से जुड़े निर्णय पर हाईकोर्ट के स्टे की जानकारी दी गई।

डी श्रेणी के ठेकेदारों को अब 1 करोड़ की जगह 1.5 करोड़ रुपये तक के कार्य मिल सकेंगे।

मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा शोध प्रोत्साहन योजना का लाभ अब 21 अशासकीय कॉलेजों तक बढ़ाया गया।

वन सीमा क्षेत्रों में मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने के लिए नई नीति को मंजूरी। इससे स्थानीय लोगों की आय बढ़ेगी और मानव-हाथी संघर्ष में कमी आने की उम्मीद है। वन सीमा मौन पालन मधुमक्खी आधारित आजीविका एवं मानव-वन्य जीव संघर्ष नियमावली 2026 को भी स्वीकृति दी गई।

पृष्ठ 1 का शेष.....

मुख्यमंत्री ने हल्द्वानी में वरिष्ठ नागरिक.....

वरिष्ठजनों के जीवन को सुरक्षित और गरिमामय बनाने का कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

वृद्धावस्था पेंशन योजना के अंतर्गत राज्य के लगभग 6 लाख वरिष्ठजनों को प्रतिमाह 1500 रुपये की पेंशन डीबीटी के माध्यम से प्रदान की जा रही है। साथ ही, पति-पत्नी दोनों को अलग-अलग पेंशन देने का निर्णय उनकी आर्थिक सुरक्षा को और सुदृढ़ कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि राज्य में वृद्धाश्रमों की व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। बागेश्वर, चमोली और उत्तरकाशी में राजकीय वृद्धाश्रम संचालित हैं, जबकि देहरादून, अल्मोड़ा और चम्पावत में नए भवनों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त, रुद्रपुर में एक आधुनिक मॉडल वृद्धाश्रम का निर्माण भी किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि अटल वयोअभ्युदय योजना के तहत वरिष्ठ नागरिकों के लिए पोषण, स्वास्थ्य सेवाएं और मनोरंजन की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही, राज्य में पहली बार जेरियाट्रिक केयर गिवर प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से मानव संसाधन तैयार किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत वरिष्ठजनों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं तथा निशुल्क मोतियाबिंद सर्जरी की सुविधा भी दी जा रही है।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष 1300 वरिष्ठ नागरिकों की निशुल्क सर्जरी का लक्ष्य रखा गया है।

उन्होंने यह भी कहा कि माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम को प्रभावी रूप से लागू किया गया है, जिसके तहत वरिष्ठ नागरिकों को अपने भरण-पोषण के लिए कानूनी अधिकार प्राप्त हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ नागरिकों को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार उनके सम्मान, सुरक्षा और सुविधाओं के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है तथा उनके गरिमामय जीवन के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी।

फल सब्जियों में कीटनाशकों के अंधाधुंध इस्तेमाल पर सरकार सख्त

खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन, कृषि विभाग के साथ मिलकर चलाएगा जनजागरुकता अभियान

देहरादून। फल - सब्जियों में कीटनाशक अवशेषों के प्रयोग को लेकर खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन सख्त हो गया है। विभाग ने जहां एक और प्रदेश भर में फल ख्र सब्जियों के सैम्पल लेकर प्रयोगशाला जांच की पहल शुरु की है, वहीं कृषि एवं उद्यान विभाग को भी पत्र भेजकर किसानों को कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने को कहा है।

खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त सचिन कुर्वे की ओर से सचिव कृषि एवं उद्यान को लिखे गए पत्र में कहा गया है कि भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा समय-समय पर चलाए गए सर्विलांस अभियानों में खाद्य पदार्थों में कीटनाशकों के अवशेष पाए जाने की पुष्टि हुई है। पत्र में बताया गया कि कृषि क्षेत्र में कीटनाशकों के अवैज्ञानिक उपयोग के कारण फल, सब्जियां एवं अन्य खाद्य पदार्थों में अवशेष तय मानकों से अधिक मिल रहे हैं, जो जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। इसलिए इस विषय पर किसानों के बीच जागरूकता कार्यशालाएं आयोजित किए जाने की आवश्यकता है। साथ ही फल सब्जी विक्रेताओं और स्थानीय मंडियों के व्यापारियों को भी इस बारे में जागरुक किए जाने की आवश्यकता है। खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन के उपायुक्त (मुख्यालय) गणेश कंडवाल ने बताया कि आयुक्त के दिशा निर्देशों के क्रम मे विभाग ने प्रदेश भर में फलों के सैम्पल लेकर, प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे हैं। अब तक प्रदेश भर से आम, केला, पपीता, तरबूज जैसे फलों के 95 सैम्पल लिए जा चुके हैं। अभियान लगातार जारी रहेगा।

प्रदेश में इस समय चारधाम यात्रा चल रही है, साथ ही पयर्टन सीजन भी शुरु हो चुका है। इसलिए जन स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए, खाद्य पदार्थों में मिलावट और हानिकारक रसायनों के इस्तेमाल पर सख्ती करने के निर्देश दिए गए हैं। इस दिशा में सभी विभागों को मिलकर कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

पुष्कर सिंह धामी,
मुख्यमंत्री

अवैध निर्माणों पर एमडीडीए का सख्त अभियान जारी

देहरादून। मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) द्वारा प्राधिकरण क्षेत्र में अवैध निर्माण और अवैध प्लॉटिंग के खिलाफ व्यापक अभियान लगातार जारी है। प्राधिकरण ने सेक्टरवार टीमों का गठन कर प्रत्येक दिन निरीक्षण और कार्रवाई सुनिश्चित की है, जिससे शहर के नियोजित विकास को गति मिल सके और अनियमितताओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। एमडीडीए के अधिकारियों के निर्देशों के तहत मेहुवाला माफी, राजपुर, जाखन तथा कुठाल गेट डोईवाला क्षेत्रों में अवैध निर्माण और प्लॉटिंग के खिलाफ सख्त कदम उठाए गए। संयुक्त सचिव गौरव चटवाल के आदेशों के अनुपालन में कई स्थानों पर ध्वस्तीकरण और सीलिंग की कार्रवाई की गई, जिससे अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों में हड़कंप मच गया।

जाखन और कुठाल गेट क्षेत्र में सीलिंग की कार्रवाई

प्राधिकरण द्वारा जाखन जोहड़ी रोड के निकट एसबीआई के पास मनीष कौशल द्वारा निर्मित अवैध बहुमंजिला भवन को सील किया गया। इसके अतिरिक्त, कुठाल गेट क्षेत्र में भी दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई की गई। दिलशाद हुसैन द्वारा बेस्ट ग्रीन वैली, मसूरी रोड के निकट किए गए अवैध निर्माण को सील किया गया। वहीं, कुलदीप सलूजा द्वारा कुठाल गेट के समीप किए गए दो अवैध निर्माणों पर भी सीलिंग की कार्रवाई की गई। इन सभी कार्रवाइयों को सहायक अभियंता शैलेन्द्र सिंह रावत, अवर अभियंता सचिन कुमार एवं सुपरवाइजर की मौजूदगी में विधिवत अंजाम दिया गया।

मेहुवाला माफी में अवैध प्लॉटिंग पर चला बुलडोजर

एमडीडीए ने मेहुवाला माफी क्षेत्र में भी बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 15 से 20 बीघा भूमि पर बिना स्वीकृत मानचित्र के की जा रही अवैध प्लॉटिंग को ध्वस्त कर दिया। यह प्लॉटिंग सुरेश कुमार एवं अन्य द्वारा दुर्गा विहार कॉलोनी के निकट विकसित की जा रही थी। इस कार्रवाई को सहायक अभियंता विजय सिंह रावत, अवर अभियंता मुनेश राणा, सुपरवाइजर तथा पुलिस बल की उपस्थिति में अंजाम दिया गया। प्राधिकरण की इस कार्रवाई से अवैध प्लॉटिंग में संलिप्त लोगों में स्पष्ट संदेश गया है कि नियमों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अवैध निर्माण और प्लॉटिंग के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति- बंशीधर तिवारी

एमडीडीए के उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने कहा कि प्राधिकरण क्षेत्र में अवैध निर्माण और प्लॉटिंग के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि देहरादून और आसपास के क्षेत्रों के संतुलित और सुव्यवस्थित विकास के लिए यह आवश्यक है कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित नियमों और स्वीकृत मानचित्र के अनुसार ही किए जाएं। उन्होंने बताया कि प्राधिकरण द्वारा सेक्टरवार टीमों का गठन कर नियमित निगरानी की जा रही है, जिससे किसी भी प्रकार की अनियमितता को प्रारंभिक स्तर पर ही रोका जा सके। उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने कहा कि अवैध निर्माण न केवल शहर की संरचना को प्रभावित करते हैं, बल्कि आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी खतरा बनते हैं। इसलिए ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने आम जनता से अपील की कि किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य शुरू करने से पहले प्राधिकरण से स्वीकृति अवश्य प्राप्त करें और नियमों का पालन करें, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की कार्रवाई से बचा जा सके।

अवैध प्लॉटिंग या निर्माण की सूचना प्राधिकरण को दें- मोहन सिंह बर्निया

एमडीडीए के सचिव मोहन सिंह बर्निया ने कहा कि प्राधिकरण द्वारा अवैध निर्माणों से सम्बन्धित गतिविधियों के खिलाफ निरंतर अभियान चलाया जा रहा है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण कर अवैध निर्माणों की पहचान की जा रही है और प्रकरणों पर नियमानुसार तत्काल प्रभाव से सीलिंग व ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जा रही है।

उन्होंने यह भी कहा कि प्राधिकरण की प्राथमिकता शहर का योजनाबद्ध विकास सुनिश्चित करना है। इसके लिए आम नागरिकों का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अवैध प्लॉटिंग या निर्माण में शामिल न हों और गतिविधि की सूचना प्राधिकरण को दें।

देहरादून के विकास का नया ब्लूप्रिंट, 968 करोड़ के बजट संग शहर को मिलेगा आधुनिक स्वरूप

एमडीडीए की 113वीं बोर्ड बैठक में जनहित, हरियाली और इंफ्रास्ट्रक्चर पर बड़ा फोकस

देहरादून। देहरादून शहर के सुनियोजित विकास, पर्यावरण संतुलन और आधुनिक सुविधाओं को नई रफ्तार देने के लिए मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) की 113वीं बोर्ड बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। आयुक्त गढ़वाल मंडल एवं प्राधिकरण अध्यक्ष विनय शंकर पांडेय की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए करीब 968 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दी गई। इसके साथ ही आम जनता से जुड़े आवासीय, व्यावसायिक और पर्यटन संबंधी प्रस्तावों को भी स्वीकृति प्रदान की गई, जिससे शहर के विकास को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। बैठक की शुरुआत उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी द्वारा अध्यक्ष और सदस्यों के स्वागत से हुई। इसके बाद पिछली 112वीं बोर्ड बैठक की अनुपालन आख्या प्रस्तुत की गई, जिसे बोर्ड ने अवलोकन के बाद पुष्टि करते हुए आगे की कार्यवाही के लिए अनुमति प्रदान की। इस दौरान कुल 48 प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा के बाद नियमानुसार स्वीकृति दी गई।

विकास को मिलेगी रफ्तार

बैठक में प्रस्तुत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 968 करोड़ रुपये का बजट शहर के व्यापक विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर, सौंदर्यीकरण, पर्यावरण संरक्षण और जनसुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी गई है। इस बजट के माध्यम से न केवल शहरी ढांचे को मजबूत किया जाएगा, बल्कि देहरादून को एक स्मार्ट और पर्यावरण अनुकूल शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में भी काम होगा।

जनहित के प्रस्तावों को हरी झंडी

बोर्ड बैठक में आम जनमानस से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई। इनमें ईको-रिजॉर्ट, होटल, व्यावसायिक निर्माण और आवासीय मानचित्र से जुड़े मामलों को स्वीकृति दी गई है। इन फैसलों से पर्यटन और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होने के साथ-साथ शहर की आर्थिक गतिविधियों को भी बल मिलेगा। इसके अलावा, भवन निर्माण एवं विकास उपविधि 2011 (संशोधित) को राज्य सरकार की अधिसूचना के अनुरूप अंगीकृत किया गया, जिससे निर्माण कार्यों में पारदर्शिता और सुव्यवस्था सुनिश्चित होगी।

हरित देहरादून की दिशा और बढ़ते तापमान के न्यूनीकरण के लिए बड़ा कदम

शहर में लगातार बढ़ते तापमान के न्यूनीकरण और पर्यावरणीय दबाव को देखते हुए प्राकृतिक संतुलन बनाए रखना अब प्राथमिकता बन गया है। इसी दिशा में प्राधिकरण ने वृक्षारोपण, जल संरक्षण और नए पार्कों के निर्माण जैसे कार्यों को युद्धस्तर पर लागू करने के निर्देश दिए हैं। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में हरियाली बढ़ाने, जल स्रोतों को संरक्षित करने और सार्वजनिक स्थलों को विकसित करने पर विशेष जोर रहेगा। इन प्रयासों का उद्देश्य न केवल तापमान में कमी लाना है, बल्कि शहर की प्राकृतिक सुंदरता को सहेजते हुए आम जनमानस को स्वच्छ, हरित और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराना भी है।

हरियाली और सौंदर्यीकरण पर विशेष जोर

शहर को सुंदर और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। डिवाइडरों पर पौधारोपण, गमलों की व्यवस्था, खाद-मिट्टी और पानी की आपूर्ति के लिए विशेष उपकरणों की खरीद को मंजूरी दी गई। इसके तहत एक ट्रैक्टर, म्ब्भ्म् 333 (प्रेशर पंप सहित) और हाइड्रोलिक ट्रॉली खरीदने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही बढ़ते तापमान को नियंत्रित करने के लिए वृक्षारोपण, जल संरक्षण और पार्कों के निर्माण जैसे कार्यों को युद्धस्तर पर करने के निर्देश दिए गए। यह पहल शहर की प्राकृतिक सुंदरता को बनाए रखने के साथ ही नागरिकों को बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने में मददगार होगी।

शहर के भविष्य की मजबूत नींव

113वीं बोर्ड बैठक के फैसले देहरादून के भविष्य की दिशा तय करने वाले साबित हो सकते हैं। जहां एक ओर बजट और विकास योजनाएं शहर को आधुनिक बनाएंगी, वहीं हरियाली और पर्यावरण संरक्षण पर जोर इसे रहने योग्य और संतुलित शहर बनाए रखने में अहम भूमिका निभाएगा। बैठक में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और सदस्य मौजूद रहे, जिन्होंने शहर के समग्र विकास के लिए अपने सुझाव भी दिए। अंत में अध्यक्ष द्वारा सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए बैठक समाप्ति की घोषणा की गई। स्पष्ट है कि एमडीडीए की यह बैठक केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि देहरादून के विकास की नई पटकथा लिखने की दिशा में एक ठोस कदम है।

आयुक्त विनय शंकर पांडेय का बयान

आयुक्त गढ़वाल मंडल एवं प्राधिकरण अध्यक्ष विनय शंकर पांडेय ने कहा कि प्राधिकरण का लक्ष्य केवल निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि देहरादून को एक संतुलित, हरित और व्यवस्थित शहर के रूप में विकसित करना है। उन्होंने कहा कि बजट और स्वीकृत योजनाओं के माध्यम से शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जाएगा और आम जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सभी परियोजनाओं को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पूरा किया जाएगा, ताकि लोगों को इसका सीधा लाभ मिल सके।

उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी का बयान

उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने कहा कि एमडीडीए लगातार जनहित के कार्यों को प्राथमिकता दे रहा है। उन्होंने बताया कि बोर्ड बैठक में स्वीकृत प्रस्तावों से न केवल शहर का भौतिक विकास होगा, बल्कि रोजगार और निवेश के नए अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण का फोकस संतुलित विकास पर है, जिसमें पर्यावरण संरक्षण और आधुनिक सुविधाओं का समावेश हो। तिवारी ने भरोसा जताया कि आने वाले समय में देहरादून एक आदर्श शहर के रूप में स्थापित होगा।

सचिव मोहन सिंह बर्निया का बयान

प्राधिकरण के सचिव मोहन सिंह बर्निया ने बताया कि बैठक में कुल 48 प्रस्तावों पर विचार किया गया, जिनमें अधिकांश जनहित और विकास से जुड़े थे। उन्होंने कहा कि सभी प्रस्तावों को नियमानुसार स्वीकृति दी गई है और अब इनके क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि भवन निर्माण उपविधियों में संशोधन से निर्माण कार्यों में पारदर्शिता आएगी और अवैध निर्माण पर रोक लगाने में मदद मिलेगी।

राज्य स्तरीय नेशनल कोआर्डिनेशन सेंटर फॉर ड्रग लॉ एनफोर्समेंट की 11वीं बैठक संपन्न

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में बुधवार को सचिवालय में राज्य स्तरीय नेशनल कोआर्डिनेशन सेंटर फॉर ड्रग लॉ एनफोर्समेंट की 11वीं बैठक संपन्न हुयी।

बैठक के दौरान नशीले पदार्थों की तस्करी और अवैध व्यापार को रोके जाने को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों से बात कर जनपदों की स्थिति की जानकारी भी ली। उन्होंने जनपद स्तरीय एनकॉर्ड बैठकों का निर्धारित समय सीमा पर नियमित रूप से आयोजित किए जाने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य सचिव ने अगले 15 दिनों में मादक पदार्थों के खिलाफ अगले एक वर्ष का राज्य स्तरीय एवं जनपद स्तरीय रोडमैप तैयार कर प्रस्तुत किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी सम्बन्धित विभाग सहित जनपद भी अपना एनफोर्समेंट और रिहेबिलिटेशन आदि को लेकर रोडमैप

अगले 15 दिनों में सचिव गृह को उपलब्ध कराएं।

मुख्य सचिव ने मादक पदार्थों से सम्बन्धित सभी मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि व्यवसायिक मात्रा में पकड़े गए मादक पदार्थों के मामलों को गंभीरता से लेते हुए लगातार फॉलोअप किया जाए, ताकि दोषियों पर यथोचित कार्रवाई की जा सके। उन्होंने पुलिस विभाग को मादक पदार्थों की सप्लाई चौन तोडे जाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाये जाने की बात कही।

मुख्य सचिव ने आमजन विशेषकर स्कूली बच्चों में ड्रग्स के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने के निर्देश दिए।

उन्होंने शिक्षण संस्थानों में एंटी ड्रग क्लब बनाने और शिक्षण संस्थानों के 100 मीटर के दायरे में गुटखा-तम्बाकू आदि की बिक्री पर रोक को प्रभावी रूप से लागू किए जाने की बात कही। उन्होंने प्रदेश में मादक पदार्थों के उपयोग पर एक सर्वे कराए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि मादक पदार्थों के जाल को जड़ से उखाड़ा जा सके।

मुख्य सचिव ने प्रदेश में संचालित प्राईवेट डीएडिक्शन सेंटर्स की लगातार जांच किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जो सेंटर मानक पूर्ण नहीं कर रहे उनको तत्काल बंद कराया जाए।

उन्होंने गढ़वाल एवं कुमाऊं मण्डल में समर्पित ड्रग इंस्पेक्टर नियुक्त किए जाने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने राजकीय स्वास्थ्य केन्द्रों में कुछ बेड को डी-एडिक्शन के लिए डेडिकेट किए जाने के भी निर्देश दिए। कहा कि शुरुवात में कम से कम जनपद में एक-एक अस्पताल में कुछ बेड को डी-एडिक्शन के लिए डेडिकेट किया जाए।

मुख्य सचिव ने एन.सी.बी. द्वारा राष्ट्रीय नारकोटिक्स हेल्प लाईन मानस-1933 (मादक पदार्थ निशेध आसूचना-केन्द्र) के प्रचार प्रसार के भी निर्देश दिए।

उन्होंने सभी हितधारक विभागों से हेल्पलाईन के प्रचार-प्रसार किये जाने के लिए अपने कार्यालयों के सूचनापट एवं प्रवेश द्वार पर जानकारी चस्पा किए जाने के निर्देश दिए, ताकि आमजन को मादक पदार्थों की बिक्री या आपूर्ति से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की जानकारी साझा करने में सहजता हो।

सम्पादकीय

बदलती फिजा, बदलता शहर

देहरादून में इन दिनों पहली बार हीटवेव के कारण स्कूलों की छुट्टी की गई। हालांकि एक दिन की बारिश ने मौसम जरूर सुहाना किया लेकिन 27 अप्रैल के लिए जिला प्रशासन से जब हीटवेव की एडवाइजरी जारी की गयी तो खबर चिंताजनक जरूर थी लेकिन कुछ अटपटा नहीं लगा, क्योंकि देहरादून अब वो देहरादून नहीं रहा जो कभी अपने खूबसूरत मौसम, शानदार जलवायु और बेपनाह हरियाली के लिए जाना जाता था। अब हैरानी नहीं होती जब प्रशासन ये एडवाइजरी जारी करता है कि गर्मियों के दिनों में 11 बजे से 4 बजे तक बहुत जरूरी हो तभी घर से बाहर निकले। अब दिल्ली और एनसीआर के शहरों के तापमान की तुलना में उन्नीस-बीस का ही फर्क रह गया है। देहरादून बड़ी तेजी के साथ अपनी मूल पहचान खो रहा है और एक "कंक्रीट का शहर" बन रहा है।

2000 के शुरूआती दशक तक भी देहरादून, मध्यम तापमान और प्राकृतिक संतुलन के लिए जाना जाता था। ये एक ऐसा शहर था जो गर्मियों में अपेक्षाकृत ठंडा रहता था, सर्दियों में हल्की ठिठुरन और मानसून में संतुलित वर्षा होती थी। मई-जून में भी तापमान अमूमन 32 के आस-पास रहता था और शाम बहुत प्यारी होती थी। एक ठंडी हवा का झौंका दिन-भर की गर्मी का नामो-निशान मिटा देता था। हरियाली सूकून देती थी। रिटायरमेंट लोगों का शहर कहलाता था। जैसे यहां की जलवायु थी ऐसी ही यहां की फिजा थी। बहुत शांत और आरामदायक। अपनी एक पहचान थी। लीची के बाग थे, बासमती की खुश्बू थी। अब फिजा भी बदल भी रही है और पहचान भी।

देहरादून अब अंधाधुंध शहरीकरण का दंश झेल रहा है। इक्का-दुक्का सड़क को छोड़कर अब किसी सड़क के किनारे वो पेड़ों का झुरमुट दिखायी नहीं देता है। शहर के बीच में बहती दो नदियां रिस्पना और बिंदाल गंदे नाले बन गये हैं। टोंस, सोंग और बांदल नदी ने हाल ही में अपना रोद्र रूप दिखाया था। सहस्त्रधारा के कई जल स्त्रोत पूरी तरह सूख गये हैं। शहर में वॉटर लेवल लगातार डाउन हो रहा है। ए.क्यू.आई लेवल 200 के पार पहुंचने लगा है। सड़के सिकुड़ रही हैं। गाड़ियों का बोझ बढ़ रहा है। गिनाने पर आये तो और भी सैकड़ों समस्याएं हैं। मगर सरकार और जनता दोनों सामूहिक कोशिश करें तो अभी भी हालात पहले जैसे बेहतर हो सकते हैं।

हमें पर्यावरण अनुकूल शहरी योजना पर बहुत गंभीरता और सख्ती के साथ काम करने की आवश्कता है। शहर में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण होना चाहिए और ये सिलसिलेवार क्रांति के तौर पर करना होगा। हालांकि एमडीडीए अपने स्तर पर कार्य कर रहा है लेकिन निर्माण कार्यो पर नियंत्रण रखने के लिए विशेष अभियान चलाने होंगे। रेन वाटर हार्वेस्टिंग और जल स्रोत संरक्षण पर गंभीरता से काम करना होगा। लोगों को जागरूक करना होगा। प्रत्येक नागरिक पर्यावरण के मर्म को समझे, इसके लिए प्रयास करने होंगे। पर्यावरण संरक्षण के लिए भागीदारी तय करनी होगी। सबसे अहम गाड़ियों पर भी नियंत्रण के लिए कोई योजना बनानी होगी। अब हम दिल्ली से देहरादून ढाई घंटे में पहुंव सकते हैं। मगर देहरादून शहर के अंदरूनी ट्रैफिक पर क्या विचार है। वहां समय की बचत के लिए क्या याजनायें हैं। ये शहर हम सब की जिम्मेदारी हैं और हम सब को अपना नैतिक कर्तव्य समझकर अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना होगा।

मौ० वसी 'जैदी'
सम्पादक

दस दिन में चार लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे चारधाम

देहरादून। प्रदेश में चारधाम यात्रा सुचारु रूप से संचालित हो रही है। राज्य सरकार द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए व्यापक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, ताकि श्रद्धालु निश्चिंत होकर सुरक्षित एवं सुगम रूप से दर्शन कर सकें।

चारधाम यात्रा के दौरान यात्रियों, श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए चारधाम यात्रा मार्गों सहित प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर पेयजल, शौचालय, स्वास्थ्य सेवाएं, स्वच्छता, पार्किंग एवं यातायात व्यवस्थाओं को सुदृढ़ एवं व्यवस्थित किया गया है।

राज्य सरकार ने यात्रा व्यवस्थाओं के संबंध में भ्रामक जानकारी प्रसारित करने वालों तथा गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं, ताकि यात्रा की पवित्रता एवं व्यवस्थाएं बनी रहें।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र, देहरादून से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार चारधाम कपाट खुलने से 28 अप्रैल, 2026 की सांय 7:00 बजे तक मात्र दस दिनों में कुल 04 लाख 08 हजार 401 श्रद्धालु चारधाम में दर्शन हेतु पहुंचे हैं।

धामवार विवरण इस प्रकार है:

श्री बद्रीनाथ धाम: कपाट उद्घाटन के छह दिनों में 84,942 श्रद्धालु पहुंचे।

श्री केदारनाथ धाम: सात दिनों में 2,07,452 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।

यमुनोत्री धाम: दस दिनों में 57,794 श्रद्धालु पहुंचे।

गंगोत्री धाम: दस दिनों में 57,863 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।

इसके अतिरिक्त गौमुख में अब तक 440 यात्री पहुंचे हैं।

वर्तमान यात्रा सीजन में अब तक कुल 64,115 वाहन यात्रियों को लेकर चारधाम पहुंचे हैं।

राज्य सरकार द्वारा सभी संबंधित विभागों के समन्वय से यात्रा को सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

सीएम धामी के नेतृत्व में महिला आक्रोश मशाल यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

देहरादून। देहरादून में आज गांधी पार्क से घण्टाघर तक मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में आयोजित महिला आक्रोश मशाल यात्रा ने प्रदेश में एक नया संदेश दिया। इस विशाल आयोजन में महिला आरक्षण बिल गिरने के विरोध में हजारों की संख्या में माताएं, बहनें और बेटियां शामिल हुईं, जिसने स्पष्ट कर दिया कि अब नारी शक्ति अपने अधिकारों को लेकर पूरी तरह सजग और मुखर हो चुकी है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यह मशाल यात्रा केवल एक प्रतीकात्मक आयोजन नहीं, बल्कि उन ताकतों के खिलाफ जनाक्रोश है जो महिलाओं के अधिकारों में बाधा डालने का प्रयास कर रही हैं। उन्होंने संकेत दिया कि राज्य ही नहीं, बल्कि पूरे देश की नारी अब अपने सम्मान और अधिकारों के लिए एकजुट होकर खड़ी है।

उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि महिला आरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषय को वर्षों तक लंबित रखा गया, जबकि हाल के प्रयासों ने इसे आगे बढ़ाने का कार्य किया। लेकिन राजनीतिक स्वार्थों के चलते इस दिशा में बाधाएं उत्पन्न की गईं, जिसे जनता भली-भांति देख रही है।

मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर अप्रत्यक्ष हमला करते हुए यह संदेश दिया कि कुछ राजनीतिक दल महिलाओं के अधिकारों को लेकर गंभीर नहीं हैं और उन्होंने हमेशा इसे केवल एक राजनीतिक मुद्दा बनाकर रखा। उन्होंने यह भी संकेत किया कि नई पीढ़ी की महिलाएं अब इन बातों को समझ चुकी हैं और समय आने पर लोकतांत्रिक तरीके से इसका जवाब देंगी।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि आज की भारतीय नारी केवल दर्शक नहीं, बल्कि निर्णय लेने वाली शक्ति बन रही है। केंद्र सरकार द्वारा महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए किए गए प्रयासों को उन्होंने परिवर्तनकारी बताया और यह संकेत दिया कि अब नीतियां केवल कागजों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जमीन पर दिखाई दे रही हैं।

कार्यक्रम के दौरान यह भी स्पष्ट किया गया कि समाज में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी कुछ परंपरागत और परिवारवादी राजनीति करने वाले दलों को असहज कर रही है। इसी कारण वे महिलाओं को उनका वास्तविक अधिकार देने से कतराते रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने यह विश्वास भी दिलाया कि राज्य सरकार मातृशक्ति के सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की प्रगति ही प्रदेश और देश के विकास का आधार है।

इस विशाल मशाल यात्रा के माध्यम से एक मजबूत राजनीतिक संदेश भी उभराख्कि आने वाले समय में महिला शक्ति अपनी एकजुटता के बल पर उन सभी ताकतों को जवाब देगी जो उनके अधिकारों के मार्ग में बाधा बनती हैं।

अंतत: यह आयोजन केवल विरोध नहीं, बल्कि एक संकल्प के रूप में सामने आयाख्एक ऐसा संकल्प, जिसमें नारी शक्ति अपने सम्मान, अधिकार और भागीदारी के लिए निर्णायक भूमिका निभाने को तैयार है।

कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद श्री महेंद्र भट्ट, कैबिनेट मंत्री श्रीमती रेखा आर्य, विधायक श्रीमती सविता कपूर, श्रीमती आशा नौटियाल सहित विभिन्न जनप्रतिननिधि तथा बड़ी संख्या में प्रदेश भर से आई महिलाएं उपस्थिति रही द्य

भारतीय मौसम विभाग बारिश की एक-एक बूंद का सटीक अनुमान लगाने में सक्षम

देहरादून। भारत ने 2014 के बाद से अपने डॉप्लर मौसम राडार (डीडब्ल्यूआर) नेटवर्क का उल्लेखनीय विस्तार किया है। अब 14 परिचालन इकाइयों से बढ़कर इनकी संख्या 50 हो गई है, जो 250 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि को दर्शाता है। देश के 87 प्रतिशत से अधिक हिस्से को कवर करने वाले इन नए राडारों से भारत के मौसम विज्ञान विभाग द्वारा चक्रवात, भारी बारिश और आंधी-तूफान के पूर्वानुमान में काफी सुधार हुआ है। इसके साथ ही, शमिशन मौसमश के तहत 50 और राडार स्थापित करने की योजना है।

यह जानकारी आज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), डॉ. जितेंद्र सिंह ने लोध ी रोड स्थित मौसम विज्ञान विभाग मुख्यालय के प्रवेश द्वार पर श्मौसम राडारश को दर्शाने वाले एक सेल्फी पॉइंट का उद्घाटन करने के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान दी। इस अवसर पर पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव डॉ. एम. रविचंद्रन, भारत मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय महापात्र और अन्य वरिष्ठ अधिकारी और वैज्ञानिक भी उपस्थित थे। मंत्री ने बताया कि यह बदलाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार द्वारा इस क्षेत्र को दी गई उच्च प्राथमिकता के कारण ही संभव हो पाया है, इससे मौसम के पूर्वानुमानों में अधिक सटीकता, सुलभता और जन-विश्वास बढ़ा है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि पिछले एक दशक में भारत की मौसम संबंधी सेवाओं में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। उन्होंने बताया कि एक समय था जब मौसम के पूर्वानुमानों को अक्सर संदेह की दृष्टि से देखा जाता था, लेकिन आज की प्रणाली अत्यधिक विश्वसनीय और सटीक पूर्वानुमान लगाती है। इनका उपयोग किसानों और गृहिणियों से लेकर पायलटों और कार्यक्रम आयोजकों तक, उपयोगकर्ताओं का एक बड़ा वर्ग करता है। उन्होंने आगे कहा कि लोग अब घर से बाहर निकलने से पहले नियमित रूप से अपने मोबाइल फोन पर मौसम की जानकारी देखते हैं, जो आईएमडी की सेवाओं के प्रति बढ़ते विश्वास और व्यापक पहुंच को दर्शाता है। पूर्वानुमान के क्षेत्र में हुई प्रगति का उल्लेख करते हुए, डॉ. जितेंद्र सिंह ने ''नाउकास्ट'' सेवाओं की शुरुआत पर प्रकाश डाला, इससे अगले तीन घंटों के लिए बेहद स्थानीय और सटीक पूर्वानुमान लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस तरह की वास्तविक समय की जानकारी आपदा प्रबंधन, शहरी नियोजन और रोजमर्रा के फैसले लेने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि भारत की पूर्वानुमान क्षमता अब उस मुकाम पर पहुँच गई है जहाँ वह बारिश की तीव्रता, वर्षा के प्रकार, ओलावृष्टि की संभावना और यहाँ तक कि बारिश की बूंदों के आकार के बारे में भी विस्तृत जानकारी प्रदान कर सकती है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने भारत की मौसम निगरानी प्रणाली को मजबूत बनाने में डॉप्लर मौसम राडार तकनीक की भूमिका के बारे में भी बताया। ये राडार मौसम प्रणालियों की गति और वेग को ट्रैक करने के लिए ''डॉप्लर'' प्रभाव का उपयोग करते हैं, जिससे सटीक और समय पर पूर्वानुमान लगाना संभव हो पाता है। आईएमडी द्वारा तैनात आधुनिक राडार दोहरी-ध्रुवीकरण तकनीक से लैस हैं। यह तकनीक वर्षा, ओले और फुहार जैसी वर्षा के प्रकारों की सटीक पहचान करने, वर्षा का बेहतर अनुमान लगाने और मौसम की गंभीर घटनाओं का बेहतर पता लगाने में मदद करते हैं, साथ ही गलत संकेतों को भी कम करते हैं। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि विस्तारित राडार नेटवर्क, लंबी दूरी तक वायुमंडल की निरंतर निगरानी करने में सक्षम बनाता है और चक्रवात, गरज के साथ आने वाले तूफान, भारी वर्षा एवं अन्य चरम मौसमी घटनाओं के लिए समय रहते चेतावनी जारी करने में सहायता प्रदान करता है। यह विमानन सुरक्षा, कृषि नियोजन और आपदा जोखिम को कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके व्यापक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री महोदय ने कहा कि भारत की पूर्वानुमान क्षमताओं से पड़ोसी देशों को भी लाभ मिल रहा है, जो वैश्विक सहयोग को और मजबूत करने के प्रति देश की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मंत्री महोदय ने सरकार की शमिशन मौसमश जैसी केंद्रित पहलों का भी उल्लेख किया, जिसका उद्देश्य मौसम और जलवायु सेवाओं को सुदृढ़ करना है। उन्होंने राडार अवसंरचना के निरंतर विस्तार की चर्चा की, जिसमें हाल की चरम मौसमी घटनाओं के मद्देनजर जम्मू-कश्मीर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में राडार की स्थापना करना भी शामिल है। आज जिस ''सेल्फी पॉइंट'' का उद्घाटन किया गया, उसमें एक पुरानी मौसम राडार प्रणाली का प्रदर्शन किया गया। यह यहाँ आने वालों को भारत में मौसम विज्ञान तकनीक के विकास के साथ एक वास्तविक जुड़ाव का अनुभव कराता है। इसे मौसम विज्ञान के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने और नागरिकों को मोबाइल एप्लिकेशन, एसएमएस अलर्ट और सोशल मीडिया जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से आईएमडी की सेवाओं के साथ जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि इस तरह की पहल वैज्ञानिक प्रगति और जन-जागरूकता के बीच की खाई को पाटने में मदद करेगी, जिससे नागरिक अपने दैनिक जीवन में मौसम संबंधी जानकारी को बेहतर ढंग से समझ सकेंगे और उसका उपयोग कर सकेंगे।

परिणाम जारी : 10वीं का पास प्रतिशत 99.18प्रतिशत और 12वीं का 98.13प्रतिशत रहा

ब्राइटलैंड्स स्कूल की छात्रा दिया नारंग ने प्राप्त किये 94 प्रतिशत अंक

देहरादून। भारतीय विद्यालय प्रमाण पत्र परीक्षा परिषदने आज सुबह 11 बजे ICSE (कक्षा 10वीं) और ISC (कक्षा 12वीं) के परिणाम 2026 जारी कर दिए हैं। इस परिणाम का इंतजार देशभर के लाखों छात्र कर रहे हैं, जिन्होंने फरवरी से अप्रैल के बीच आयोजित परीक्षाओं में भाग लिया था।कानपुर के ओजस्वित ने ISC 12वीं में 100% अंक हासिल कर नेशनल टॉपर बनते हुए इतिहास रच दिया। चिंटल्स स्कूल के छात्रों ने बोर्ड परीक्षा परिणामों में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी मेधा का परिचय दिया है। कक्षा 12वीं की छात्रा यशी सचान ने 99.5 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल और शहर का नाम रोशन किया, वहीं कक्षा 10वीं के छात्र आदि अरोड़ा ने 99.4 प्रतिशत अंक हासिल कर अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया। कक्षा 12वीं की आईएससी परीक्षा में भी लड़कियों का बेहतरीन प्रदर्शन रहा। कुल 1,702 लड़कियों में से 1,697 उत्तीर्ण हुईं। 1,845 लड़कों में से 1,838 ने परीक्षा पास की। आईएससी में कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 99.66 फीसदी रहा, जो पिछले वर्ष से बेहतर है। अभिभावक और छात्र अब बोर्ड की

आधिकारिक वेबसाइट पर अपने नतीजे देख सकते हैं। आईसीएसई कक्षा 10वीं की परीक्षाएं 17 फरवरी से 30 मार्च तक और आईएससी कक्षा 12वीं की परीक्षाएं 12 फरवरी से 3 अप्रैल तक आयोजित की गई थीं।

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता हरीश नाएंग की पुत्री दिया नारंग ने 10वीं कक्षा मे 94 प्रतिशत अंक प्राप्त किया हैं। दिया नारंग यहां देहरादून में ब्राइटलैंड्स स्कूल की छात्रा हैं। भाजपा के आला नेताओं ने उन्हे 94 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर अपनी बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर भाजपा नेताओं ने कहा की दिया नारंग ने 94प्रतिशत अंकों के साथ यह मुकाम हासिल कर न केवल अपने परिवार, बल्कि हमारे पूरे क्षेत्र का मान बढ़ाया है। दिया नारंग की यह मेहनत हमारे क्षेत्र के अन्य बच्चों के लिए भी एक मिसाल बनेगी। इस उपलब्धि के लिए उनके माता-पिता को भी बहुत-बहुत बधाई। बेटी दिया नारंग, तुम यूँ ही निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहो, मेरा स्नेह और आशीर्वाद सदैव तुम्हारे साथ है।

यात्री पंजीकरण केंद्र का निरीक्षण, लिया व्यवस्थाओं का जायजा

हरिद्वार। जनपद प्रभारी/पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने आज ऋषिकुल मैदान में बनाए गए यात्री पंजीकरण केंद्र का निरीक्षण कर चार धाम यात्रा पर आ रहे तीर्थ यात्रियों के लिए उपलब्ध कराई गई सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा किए जा रहे पंजीकरण के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

उन्होंने संबंधित आधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए है कि तीर्थ यात्रियों के लिए सभी मूल भूत सुविधाएं उपलब्ध हो, इसमें किसी भी प्रकार से कोई लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए तथा यात्री पंजीकरण केंद्र में सभी कर्मचारी तीर्थयात्रियों से सौम्य व्यवहार रखे तथा अतिथि देवो भव परम्परा के तहत उनका स्वागत करे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार चार ध ाम यात्रा को सुगम, सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित यात्रा संचालित करने के लिए दृढ़ संकल्पित है तथा इसके लिए सभी प्रबन्धन किए जा रहे है।उन्होंने कहा कि हर्ष का विषय है कि चारधाम यात्रा पर आने वाले चार लाख सात हजार नौ सौ इकसठ (4 07961) तीर्थयात्रियों ने चारधाम के दर्शन कर लिए है,जिसमें यमनोत्री धाम में सत्तानवे हजार सात सौ चार (57704), गंगोत्री धाम में सत्तावन हजार आठ सौ त्रेसठ (57863) ,केदारनाथ धाम में दो लाख सात हजार चार सौ बावन(207452), बद्रीनाथ धाम में चौरासी हजार नौ सौ बयालीस (84942) तीर्थयात्रियों ने दर्शन की लिए है। उन्होंने कहा कि अब तक चौबीस लाख अड़सठ हजार एक सौ बत्तीस (2,46,8132) तीर्थयात्रियों ने चारध ाम यात्रा के लिए ऑनलाइन एवं ऑफलाइन पंजीकरण किया जा चुका है।उन्होंने कहा कि आ रहे तीर्थयात्रियों यात्रा मंगलमय हो तथा उनकी मनोकामना पूर्ण हो। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष किरण चौधरी,जिला अध्यक्ष भाजपा आशुतोष शर्मा,जिला पर्यटन अधिकारी सुशील नौटियाल सहित संबंधित अधि कारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

शिक्षा विभाग में अनुरोध के आधार पर होंगे स्थानांतरणः डॉ. धन सिंह रावत

देहरादून। विद्यालयी शिक्षा विभाग में अनुरोध की श्रेणी में आने वाले पात्र शिक्षकों के स्थानांतरण किये जायेंगे। जिसके लिये विभागीय अधिकारियों को नियत समय

पर जनपदों से प्रस्ताव मांगने को कहा गया है। विद्यालयों में तैनात एकल शिक्षक के अवकाश की अवधि में निकटतम विद्यालय से दूसरे शिक्षक की वैकल्पिक व्यवस्था करने के भी निर्देश दिये गये हैं ताकि संबंधित विद्यालय में पठन-पाठन सुचारू रूप से चलाया जा सके। इसके अलावा शिक्षण संस्थानों के आस-पास 150 मीटर के दायरे में संचालित शराब की दुकानों एवं पान, बीड़ी-सिगरेट, तम्बाकू आदि की दुकानों को हटाया जायेगा। इसके लिये सभी जनपदों से रिपोर्ट तलब की गई है। सूबे के शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने आज माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में विभागीय समीक्षा बैठक ली। जिसमें में उन्होंने वर्तमान स्थानांतरण सत्र में अनुरोध की श्रेणियों में आने वाले शिक्षकों से प्रस्ताव आमंत्रित कर कार्रवाई के निर्देश दिये। इसके लिये सभी जनपदों के शिक्षा अधिकारियों को नियत समयावधि में प्रस्ताव मांगने को कहा गया है। प्रदेशभर के एकल शिक्षक वाले विद्यालयों में पठन-पाठन को सुचारू रखने की जिम्मेदारी खण्ड शिक्षा अधिकारियों की होगी, इसके लिये एकल शिक्षक के अवकाश पर जाने की दशा में निकटतम विद्यालयों वैकल्पिक व्यवस्था करने के निर्देश दिये गये हैं। इसमें लापरवाही बरतने पर संबंधित खण्ड/ उप खण्ड शिक्षा अधिकारी पर कार्रवाई की जायेगी। इसके अलावा बिना अवकाश स्वीकृत के अनुपस्थित रहने वाले शिक्षकों, बायोमैट्रिक उपस्थिति न लगाने वाले कार्मिकों, शराब के नशे पाये जाने तथा छात्राओं से छेड़छाड़ करने वाले शिक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश खण्ड एवं जिले के अधिकारियों को दे दिये गये हैं। विभागीय मंत्री ने कहा कि शासन ने किसी भी श्रेणी के शिक्षण संस्थानों के आस-पास 150 मीटर के दायरे में मंदिरा दुकान, पान-गुटका, सिगरेट, तम्बाकू आदि की बिक्री पर रोक लाने के दृष्टिगत सभी जनपदों के मुख्य शिक्षा अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी गई ताकि ऐसी दुकानों को हटाने की कार्रवाई अमल में लाई जा सके। विभागीय मंत्री ने सभी विधानसभा क्षेत्रों के विधायकगणों से सम्पर्क कर दो-दो विद्यालयों के उच्चीकरण के प्रस्ताव शीघ्र शासन को भेजने के निर्देश जनपद स्तरीय अधिकारियों को दिये, इसके अतिरिक्त विद्यालयों में बिजली, पानी, फर्नीचर, शौचालय सहित खेल मैदान व खेल समाग्री आदि उपलब्धता एवं आवश्कता संबंधी रिपोर्ट शीघ्र शासन को भेजने को कहा। साथ ही शिक्षा विभाग के अंतर्गत विभिन्न जनपदों में मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणों के प्रस्ताव भी शीघ्र शासन को उपलब्ध कराने को कहा गया ताकि उन पर अग्रिम कार्रवाई की जा सके। प्राथमिक शिक्षा के अंतर्गत पात्र शिक्षकों के प्रधानाध्यापक एवं सहायक अध्यापक जूनियर के पदों पर पदोन्नति के निर्देश भी अधिकारियों को दिये गये हैं। बैठक में सभी जनपदों के शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिये गये है कि निजी विद्यालयों में मनमाने ढंग से फीस वृद्धि संबंधी शिकायतों व जबरदस्ती किताबें थोपने संबंधी प्रकरणों पर कार्रवाई की जाय। समीक्षा बैठक में बोर्ड परीक्षाओं के परीक्षा परिणामों की भी समीक्षा की गई तथा जिन जनपदों में परीक्षा परिणाम अपेक्षाकृत कम रहे उन्हें भविष्य में विशेष ध्यान देने को कहा गया।

बैठक में सचिव विद्यालयी शिक्षा रविनाथ रमन, प्रभारी निदेशक माध्यमिक डॉ. मुकुल कुमार सती, अपर निदेशक के.एस. रावत, परमेन्द्र कुमार, वित्त नियंत्रक विरेन्द्र कुमार, सहित देहरादून, हरिद्वार, नैनीताल एवं चम्पावत जनपद के मुख्य शिक्षा अधिकारी एवं जिला शिक्षा अधिकारी बेसिक सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

सेवानिवृत्ति पर प्रभारी निदेशक बेसिक को दी भावपूर्ण विदाई

प्रभारी निदेशक बेसिक शिक्षा, संस्कृत शिक्षा एवं अपर निदेशक माध्यमिक एवं बेसिक शिक्षा गढ़वाल मण्डल कंचन देवराडी को अधिवर्षता आयु पूर्ण करने पर विभागीय की ओर से विदाई समारोह का आयोजन कर भावपूर्ण विदाई दी। प्राथमिक शिक्षा निदेशालय में आयोजित विदाई समारोह में विभागीय मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने स्वयं पहुंचकर उन्हें शॉल एवं बुके देकर सम्मानित किया। साथ ही डॉ. रावत ने उनके द्वारा विभाग को दिये गये योगदान की जमकर प्रसंशा की और उन्हें स्वस्थ जीवन की शुभकामनाएं दी। इसके अलावा विभागीय सचिव रविनाथ रमन ने उनके कार्यशैली व विभाग के प्रति उनके समर्पण को सराहा। कार्यक्रम में विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनके साथ रहते हुये अपनी-अपनी स्मृतियां साझा की। इस अवसर पर उनके पति, पुत्र एवं पुत्रवधू भी उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

उत्तरकाशी। सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में जिलाधिकारी श्री प्रशांत आर्य ने चारधाम यात्रा को देखते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने तेज रफ्तार, शराब पीकर वाहन चलाने, ओवरलोडिंग और मोबाइल पर बात करते हुए ड्राइविंग करने वालों के खिलाफ नियमित सघन चेकिंग अभियान चलाकर चालानी कार्रवाई करने को कहा। दोपहिया चालकों के लिए हेलमेट अनिवार्य कराने और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। संवेदनशील दुर्घटना स्थलों के सुधार तथा राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ने वाले ग्रामीण जंक्शनों के तकनीकी उन्नयन पर जोर दिया गया। बैठक में लोनिवि, स्वास्थ्य, परिवहन और पुलिस विभाग के अधिकारी वर्चुअल रूप से शामिल हुए।

जल स्रोतों के पुनर्जीवन पर फोकस, सीडीओ ने दिए समन्वित कार्ययोजना के निर्देश

देहरादून। प्राकृतिक जल स्रोतों-नौले-धारे और नदियों-के संरक्षण, संवर्धन एवं पुनर्जीवन को लेकर मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने स्प्रिंग एंड रिवर रिजुवेनेशन अथॉरिटी (सारा) की जिला स्तरीय बैठक ली। उन्होंने सभी रेखीय विभागों को आपसी समन्वय के साथ लक्ष्य निर्धारित कर इंटीग्रेटेड अप्रोच में प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि लघु सिंचाई, वन सहित अन्य विभागों के साथ स्वयंसेवी संस्थाओं और स्थानीय लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

क्षेत्र विशेष की आवश्यकताओं और जनसुझावों के आधार पर ठोस योजना बनाते हुए जल स्रोतों के चिरस्थायी प्रवाह को बनाए रखने पर जोर दिया जाए। उन्होंने वर्षा जल संरक्षण के लिए सघन वृक्षारोपण, खंती, चाल-खाल, चेकडैम तथा अन्य जल संचयन संरचनाओं के निर्माण को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। साथ ही चिन्हित जल स्रोतों के कैचमेंट क्षेत्र का तकनीकी सर्वेक्षण कर ठोस प्रस्ताव तैयार करने को कहा। अधिशासी अभियंता लघु सिंचाई एवं नोडल अधिकारी ने बताया कि 'सारा' के अंतर्गत जल संरक्षण कार्यों के लिए लघु सिंचाई विभाग को नोडल बनाया गया है। लघु सिंचाई और वन विभाग के माध्यम से स्थलों का चयन कर विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जा रही है। वर्षा जल को भूमिगत करने हेतु अब तक 51 रिचार्ज साइट्स स्वीकृत हुई थीं, जिनमें से 22 कार्य पूर्ण हो चुके हैं। मुख्य विकास अधिकारी ने शेष कार्यों को शीघ्र पूरा करने और नए प्रोजेक्ट्स की डीपीआर जल्द प्रस्तुत करने के निर्देश दिए, ताकि जनपद में जल संरक्षण प्रयासों को और गति मिल सके। बैठक में जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार, अधिशासी अभियंता विनय कुमार सिंह सहित सभी रेखीय विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

घनेली में प्रशिक्षण कार्यक्रम, उन्नत बीज व वैज्ञानिक तकनीक से खेती को बढ़ावा

अल्मोड़ा। अनुसूचित जाति उपयोजना के तहत ग्राम घनेली, हवालबाग में प्रशिक्षण-सह-बीज वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें किसानों को टिकाऊ और वैज्ञानिक खेती के तौर-तरीकों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का आयोजन 24 अप्रैल 2026 को भाकृअनुपखराष्ट्रीय पादप जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा के निदेशक डॉ. लक्ष्मी कांत और भाकृअनुपखराष्ट्रीय पादप जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली के निदेशक डॉ. रामचरण भट्टाचार्य मौजूद रहे। उनके साथ वैज्ञानिकों की टीम ने किसानों को मृदा स्वास्थ्य, संतुलित उर्वरक उपयोग, जैविक खेती और जल प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर जानकारी दी। डॉ. लक्ष्मी कांत ने किसानों को अतिरिक्त आय के लिए स्थानीय संसाधनों के उपयोग पर जोर देते हुए बिच्छू घास से हर्बल चाय बनाने जैसे विकल्प सुझाए और कदन्न फसलों की खेती को बढ़ावा देने की बात कही। वहीं डॉ. रामचरण भट्टाचार्य ने आय बढ़ाने के लिए नकदी फसलों की विविधीकृत खेती अपनाने पर बल दिया। कार्यक्रम में ग्राम घनेली के 130 किसानों ने भाग लिया, जिनमें 70 महिलाएं और 60 पुरुष शामिल रहे।

मौसमी चटर्जी ने ऋषि दा संग कभी काम ना करने की कसम खाई

नई दिल्ली। मौसमी चटर्जी ने कसम खाई थी कि चाहे कुछ भी हो जाए वो कभी भी ऋषिकेश मुखर्जी के साथ काम नहीं करेंगी। क्योंकि ऋषि दा ने जया बच्चन को एक ऐसा रोल दे दिया था, जिसका वादा पहले उन्होंने मौसमी जी से किया था। मौसमी जी इसी बात से नाराज थी। और उन्होंने ऋषि दा संग कभी काम ना करने की कसम खाई। मगर अर्ली नाइनटीज में स्थिति कुछ ऐसी बनी कि मौसमी चटर्जी को अपनी कसम तोड़नी पड़ी और ऋषि दा संग काम करना ही पड़ा। तो क्यों मौसमी चटर्जी ने ऋषि दा संग कभी काम ना करने की कसम खाई थी?

ऋषि दा ने ऐसा क्या कर दिया था कि मौसमी चटर्जी को वो कसम खानी पड़ी थी? और फिर ऐसा क्या हुआ कि मौसमी चटर्जी को ऋषि दा के साथ करने को मजबूर होना पड़ा। इस लेख में आगे यही हम और आप जानेंगे। मौसमी जी ने खुद ये बातें एक इंटरव्यू में कही थी। आज मौसमी चटर्जी का जन्मदिन है। 26 अप्रैल 1948 को मौसमी जी का जन्म हुआ था। इनका रियल नेम था इंदिरा चट्टोपाध्याय। ऋषिकेश मुखर्जी और मौसमी चटर्जी के परिवार के बहुत बढ़िया संबंध थे। ऋषि दा मौसमी जी के ससुर व नामी संगीतकार हेमंत कुमार जी के दोस्त थे। मौसमी जी के पति जयंत मुखर्जी से भी उनकी बहुत अच्छी दोस्ती थी। मौसमी जी ने उस इंटरव्यू में कहा था कि ऋषि दा और मैं, दोनों बंगाली थे। हमारा कोलाब्रेशन तो होना ही होना था।

मगर फिर ऋषि दा ने कुछ ऐसा कर दिया जिससे मौसमी जी के रिश्ते उनके साथ खराब हो गए। बहुत खराब हो गए। मौसमी जी ने उस इंटरव्यू में कहा कि ऋषि दा ने गुड्डी फिल्म के लिए पहले उनसे बात की थी। और ये तय भी हो गया था कि मौसमी चटर्जी ही गुड्डी का किरदार निभाएंगी। लेकिन एक दिन मौसमी चटर्जी को एक अखबार के जरिए पता चला कि गुड्डी में तो लीड रोल जया भादुड़ी(तब वो भादुड़ी ही थी) निभाने जा रही हैं। यानि ऋषि दा ने मौसमी जी को बिना कोई वजह बताए, बिना बात किए गुड्डी फिल्म से बाहर कर दिया। मौसमी जी को ये बात बहुत बुरी लगी। लेकिन मौसमी जी ने कभी उस बारे में ऋषि दा से कोई बात, कोई सवाल-जवाब नहीं किया। लेकिन उन्होंने कसम खा ली कि वो कभी भी ऋषि दा के साथ काम नहीं करेंगी। मौसमी चटर्जी और ऋषि दा की मुलाकात व बातचीत तो होती रहती थी। मगर दोनों के बीच एक कोल्डनैस रहती थी। सालों गुजर गए। साल 1992 में मौसमी जी के ससुर हेमंत कुमार व पति जयंत मुखर्जी ने तलाश नाम का एक टीवी शो प्रोड्यूस करने का फैसला लिया। वो शो ऋषिकेश मुखर्जी का ही था। वही उस शो को डायरेक्ट करने जा रहे थे। उस शो का संगीत हेमंत कुमार जी देने वाले थे। एक दिन हेमंत कुमार जी ने मौसमी जी से कहा कि वो भी इस शो,ष्तलाशष् में काम करें। लेकिन मौसमी जी ने इन्कार कर दिया। उस इंटरव्यू में मौसमी ने बताया था कि एक तो तलाश उनके होम प्रोडक्शन का शो था। यानि उस शो में काम करने के बदले उन्हें कोई पैसा नहीं मिलने वाला था। और उन्हें फ्री में किसी के लिए काम नहीं करना था। फिर चाहे वो होम प्रोडक्शन का ही काम क्यों ना हो। दूसरे, वो शो ऋषि दा का था। और ऋषि दा के साथ वो काम ना करने की कसम खा चुकी थी। एक दिन ऋषि दा ने मौसमी चटर्जी व जयंत चटर्जी को खाने के लिए इनवाइट किया।

मौसमी चटर्जी जाना नहीं चाहती थी। लेकिन उनके हसबैंड जयतं चटर्जी ने उन्हें समझाते हुए कहा कि ऋषि दा की सेहत अच्छी नहीं है। वो चल-फिर नहीं सकते। वो तुमसे मिलने नहीं आ सकते हैं। इसलिए हमें उनके खाने के इनविटेशन को ठुकराना नहीं चाहिए। वैसे भी ऋषि दा बहुत सीनियर और रैस्पकैटेड इंसान हैं इस फिल्म इंडस्ट्री के। पति की ये बात सुनकर मौसमी चटर्जी तैयार हो गई। जब मौसमी चटर्जी पति संग ऋषि दा के घर पहुंची तो बातचीत के दौरान ऋषि दा ने मौसमी जी से कहा,ष्मैं तुम्हारे साथ गुड्डी फिल्म नहीं कर सका। ये तलाश टीवी शो मेरा प्रायश्चित है।ष ऋषि दा की वो बात सुनकर मौसमी चटर्जी इमोशनल हो गई। और उन्होंने तलाश में काम करने की हामी भर दी। साल 1992 में डीडी नेशनल पर प्रसारित हुए तलाश टीवी शो में मौसमी जी के कैरेक्टर का नाम उर्मिला उर्फ बहनजी था। कई और नामी कलाकार भी उस शो में थे जैसे आलोक नाथ, विजयेंद्र घाटगे, दीना पाठक, अवतार गिल, पल्लवी जोशी, राजेंद्र गुप्ता, गोगा कपूर, सुष्मिता मुखर्जी व नीलिमा अजीम। उसी इंटरव्यू में मौसमी चटर्जी ने ये भी रिवील किया था कि कई फिल्में उनके हाथ से इसलिए निकल गई थी क्योंकि वो अपने उसूलों के साथ कोई समझौता नहीं करती थी। गुलजार की कोशिश फिल्म में भी पहले मौसमी चटर्जी ही थी। मगर कुछ दिन शूटिंग करने के बाद मौसमी जी को वो फिल्म छोड़नी पड़ गई।

जब पृथ्वीराज कपूर कपूर बड़े प्रभावित हुए

नई दिल्ली। उन दिनों पृथ्वीराज कपूर शकुंतला नाम अपना एक नाटक शुरू करने की तैयारी कर रहे थे। एक दिन एक लड़का उनसे मिला। उस लड़के ने गुजारिश की कि आप मुझे भी कोई काम इस नाटक में दे दीजिए। पृथ्वीराज कपूर ने लड़के से पूछा कि तुम क्या करते हो। लड़के ने जवाब दिया कि मैं तबला बजा लेता हूं। हारमोनियम भी बजा लेता हूं। डांस भी कर लेता हूं। और कभी-कभार नाटकों में इक्के-दुक्के डायलॉग्स भी स्टेज पर बोल चुका हूं। उस लड़के के मुंह ये से बात सुनकर पृथ्वीराज कपूर कपूर बड़े प्रभावित हुए। उन्होंने लड़के से दादर आने के लिए कहा। दादर में एक जगह थी जहां अक्सर नाटकों रिहर्सलें चला करती थी।

पृथ्वीराज कपूर के बताए वक्त पर वो लड़का दादर पहुंच गया। लड़के ने देखा कि वहां तो बहुत बड़े-बड़े कलाकार बैठे हैं। लड़का थोड़ा झिझका। उसे लगा कि इतने बड़े कलाकारों के सामने मैं तो कुछ भी नहीं हूं। मैं क्या ही कर पाऊंगा यहां। लड़का इन्हीं ख्यालों में खोया था कि पृथ्वीराज कपूर ने आवाज देकर उसे अपने पास बुलाया। ये पूरा घटनाक्रम 1940 के आस-पास का है। पृथ्वीराज कपूर ने उस लड़के से कहा कि तबला बजाकर सुनाओ। लड़का तैयार हो गया। इत्तेफाक से वहां नामी सरोद वादक उस्ताद अली अकबर खान साहब भी मौजूद थे। पृथ्वीराज कपूर ने लड़के से कहा कि इनके साथ संगत करो। लड़के ने पृथ्वीराज कपूर से कहा कि आप पहले मुझे दो मिनट सोलो तबला बजाने का मौका दे दीजिए। फिर मैं अली अकबर खान जी के साथ संगत कर लूंगा। पृथ्वीराज कपूर ने लड़के को सोलो बजाने की इजाजत दे दी। और फिर जो लड़के ने तबला बजाया, कि जिसने भी सुना वो सुनता रह गया। खूब तालियां बजी। पृथ्वीराज कपूर भी बहुत खुश हुए। उन्होंने ऐलान कर दिया कि अब से ये लड़का पृथ्वी थिएटर का अहम सदस्य होगा। उस लड़के का नाम था शंकर सिंह रघुवंशी। वही शंकर सिंह रघुवंशी जो आगे चलकर शंकर-जयकिशन की जबरदस्त संगीतकार जोड़ी में से एक था। आज शंकर सिंह रघुवंशी जी की पुण्यतिथि। है। साल 1987 की 26 अप्रैल को 65 साल की उम्र में शंकर सिंह रघुवंशी जी का निधन हो गया था। जबकी इनका जन्म हुआ था 15 अक्टूबर 1922 को। पृथ्वीराज कपूर जी के थिएटर ग्रुप पृथ्वी थिएटर से जुड़ने के बाद शंकर सिंह जी ने खूब टूर्स किए। और उनका काम था नाटकों के वक्त हुस्नलाल-भगतराम के असिस्टेंट की हैसियत से लाइव तबला बजाना। कभी-कभार वो छोटे-मोटे रोल भी पृथ्वी थिएटर के नाटकों में निभा लिया करते थे। शंकर सिंह जी की बात हो रही है तो ये बात भी होनी चाहिए कि जयकिशन जी संग उनकी जोड़ी कैसे बनी थी। तो हुआ कुछ यूं था कि जयकिशन दयाभाई पांचाल गुजरात से मुंबई करियर बनाने के इरादे से आए थे। वो हारमोनियम के उस्ताद थे और संगीत उन्हें विरासत में मिला था। मुंबई आने के बाद जयकिशन जी ने एक फैक्ट्री में टाइमकीपर की नौकरी शुरू कर दी। नौकरी से मिलने वाले फुर्सत के वक्त में वो संगीत जगत में नाम बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे। एक दफा गुजराती फिल्मों के उस वक्त के नामी डायरेक्टर चंद्रवर्दन भट्ट के ऑफिस के बाहर जयकिशन जी शंकर जी से मिले। बातों-बातों में जब शंकर जी को पता चला कि जयकिशन हारमोनियम बहुत अच्छा बजाते हैं तो शंकर जी ने इन्हें सलाह दी कि आप पृथ्वी थिएटर आ जाओ।

वहां हारमोनियम बजाने वाले की जरूरत है। हो सकता है आपको वो नौकरी मिल जाए। शंकर जी के कहे मुताबिक जयकिशन जी पृथ्वी थिएटर गए और उन्हें वहां बतौर हारमोनियम नवाज रख लिया गया। अब आलम ये था कि पृथ्वी थिएटर के सभी नाटकों में शंकर जी तबला बजाते थे। और जयकिशन जी हारमोनियम बजाते थे। इन दोनों काम सबको अच्छा लगता था। एक दिन राज कपूर ने इन दोनों को नोटिस किया। राज कपूर उन दिनों अपनी डायरेक्टोरियल डेब्यू आग पर काम शुरू करने जा रहे थे। उन्होंने शंकर जयकिशन को आग के म्यूजिक डायरेक्टर राम गांगुली का सहयोगी बनने का ऑफर दिया। इन दोनों ने राम गांगुली की गाइडेंस में आग के म्यूजिक पर काम किया। इस दौरान राज कपूर शंकर सिंह रघुवंशी जी से बड़े प्रभावित हुए। उन्हें शंकर जी का म्यूजिक सेंस बहुत पसंद आता था। इसलिए जब राज कपूर ने अपनी नेक्स्ट फिल्म बरसात अनाउंस की तो उसमें म्यूजिक कंपोज करने का काम उन्होंने शंकर सिंह रघुवंशी जी को दिया।

इंदिरा गांधी पहली इंसान थी जो अमीषा पटेल को देखने ब्रीच कैंडी अस्पताल आई थी

नई दिल्ली। ''इंदिरा गांधी पहली इंसान थी जो मुझे देखने ब्रीच कैंडी अस्पताल आई थी, जब मेरा जन्म हुआ था। बैरिस्टर रजनी पटेल मेरे दादाजी थे। वो बहुत मशहूर बैरिस्टर थे। फिर उन्होंने राजनीति जॉइन कर ली। पंडित जवाहर लाल नेहरू बचपन से ही उनके मार्गदर्शक थे। पहले मेरे दादा कम्यूनिस्ट पार्टी में शामिल हुए थे। बाद में उन्होंने कांग्रेस जॉइन कर ली थी। जब मेरे दादा कांग्रेस में थे तो इंदिरा गांधी उनकी करीबी सहयोगी थी।

मेरे दादा इंदिरा जी के मुख्य सलाहकार थे। मेरे दादा कांग्रेस के कोषाध्यक्ष और अध्यक्ष भी रहे थे।ष एक्ट्रेस अमीषा पटेल ने हाल ही में एक इंटरव्यू में ये बातें कही हैं। अमीषा पटेल ने ये इंरव्यू बॉलीवुड बबल को दिया है। अमीषा ने कहा कि गांधी परिवार से उनके परिवार का रिश्ता काफी पुराना है। और इंदिरा गांधी तो बिना उनके दादा से सलाह-मशवरा किए कोई भी बड़ा कदम नहीं उठाती थी। इतना ही नहीं, भारत के कई मुख्यमंत्रियों के लिए अमीषा पटेल के दादा ने ही चंदा जुटाया था, जैसा कि अमीषा ने कहा है। बकौल अमीषा पटेल, राजनीति में आज भी काफी एक्टिव है। अमीषा पटेल ने ये भी बताया कि मुंबई के वर्ली में जो नेहरू तारामंडल है, उसका निर्माण भी उनके दादाजी बैरिस्टर रजनी पटेल ने ही कराया था। उन्होंने अपने गुरू पंडित जवाहर लाल नेहरू को श्रद्धांजलि देने के नेहरू तारामंडल बनवाया था। गांधी परिवार से इस तारामंडल का बहुत गहरा संबंध है। अमीषा ने ये खुलासा भी किया कि ये इंदिरा गांधी ही थी जिन्होंने उनके माता-पिता की शादी की तारीख तय की थी। इंदिरा गांधी के कार्यक्रमों के अनुसार अमीषा पटेल के माता-पिता की शादी तय की गई थी। अमीषा पटेल के माता-पिता के नाम हैं अमित पटेल व आशा पटेल।

उनकी शादी मुंबई के कोबाला में मौजूद होटल ताज महल पैलेस में हुई थी। फिल्म इंडस्ट्री में भी परिवार के बढ़िया संबंध थे। दिलीप कुमार और देव आनंद जैसे फिल्मस्टार्स का उनके घर आना-जाना होता था। किसी वक्त के बहुत नामी पेंटर एम.एफ हुसैन भी अमीषा पटेल के घर आया करते थे। हालांकि पटेल परिवार में हमेशा सबकुछ अच्छा नहीं रहा है। 2004 में तो खुद अमीषा ने अपने माता-पिता पर मुकदमा कर दिया था। अमीषा ने अपने पिता पर अपनी कमाई के हिसाब में गड़बड़ करने का आरोप लगाया था। और कुल 12 करोड़ रुपए की गड़बड़ की होने की बात कही गई थी।

ये तब की बात है जब अपनी डेब्यू फिल्म ''कहो ना प्यार है'' के बाद अमीषा पटेल रातोंरात स्टार बन गई थी। उस वक्त अमीषा ने अपने पिता को कानूनी नोटिस भी भेजा था। और अपना घर छोड़कर वो अलग रहने लगी थी।

केन्या के लिए भारत एक प्रमुख व्यापारिक भागीदार के रूप में उभरा

नई दिल्ली। भारत-केन्या संयुक्त व्यापार समिति (जेटीसी) का 10वां सत्र 27-28 अप्रैल, 2026 को नैरोबी, केन्या में आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग की समीक्षा और उसे मजबूत करना था। बैठक की सह-अध्यक्षता भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग के सचिव श्री राजेश अग्रवाल और केन्या गणराज्य के व्यापार राज्य विभाग की प्रधान सचिव सुश्री रेजिना अकोटा ओम्बम ने की।

दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय व्यापार में लगातार वृद्धि का उल्लेख किया, जिसमें भारत केन्या के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों में से एक के रूप में उभरा है। भारत और केन्या के बीच कुल व्यापार 2025-26 में 4.31 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जो 2024-25 के 3.45 अरब अमेरिकी डॉलर से 24.91 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। चर्चा व्यापार विविधीकरण को बढ़ाने, बाजार पहुंच संबंधी मुद्दों को हल करने और इंजीनियरिंग सामान, फार्मास्यूटिकल्स, कृषि और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में पूरकताओं का लाभ उठाने पर केंद्रित थी।

समिति ने मानकीकरण और अनुरूपता मूल्यांकन में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) और केन्या मानक ब्यूरो (केईबीएस) के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) सहित चल रही व्यापार सुविधा पहलों पर प्रगति की समीक्षा की। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) और केन्या राजस्व प्राधिकरण (केआरए) के बीच आगमन से पहले सीमा शुल्क सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए, जिसमें सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और व्यापार करने में आसानी में सुधार पर जोर दिया गया।

जेटीसी बैठक के दौरान, व्यापार, निवेश और उद्योग सहयोग को बढ़ावा देने के लिए भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और भारत-केन्या वाणिज्य एवं उद्योग चैंबर के बीच एक और समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

दोनों पक्षों ने स्थानीय मुद्राओं में व्यापार निपटान को बढ़ावा देने की संभावना को स्वीकार किया। यह उल्लेख किया गया कि केन्याई बैंकों ने भारतीय बैंकों के साथ विशेष रुपी वोस्त्रो खाते (एसआरवीए) खोले हैं, और इस व्यवस्था का अधिक उपयोग द्विपक्षीय लेनदेन को सुगम बना सकता है। स्थानीय मुद्रा निपटान (एलसीएस) तंत्र अपनाने की संभावना पर भी चर्चा की गई।

उभरते क्षेत्रों में क्षेत्रीय सहयोग पर विचार-विमर्श किया गया। इंजीनियरिंग और विनिर्माण क्षेत्र में, ऑटोमोबाइल, मशीनरी और निर्माण उपकरणों के निर्यात को बढ़ाने के अवसरों पर प्रकाश डाला गया, साथ ही ऑटोएक्सपो केन्या और द बिग 5 कंस्ट्रक्ट केन्या जैसी प्रदर्शनियों में भागीदारी पर भी चर्चा हुई। रेलवे सहित अवसंरचना विकास में सहयोग पर भी विचार किया गया, जिसमें भारत ने केन्या की मानक गेज रेलवे के लिए व्यवहार्यता अध्ययन, परियोजना प्रबंधन और रोलिंग स्टॉक की आपूर्ति में सहायता प्रदान करने की पेशकश की। भारतीय शिपयार्डों के साथ जहाज निर्माण में सहयोग के अवसरों की भी खोज की गयी। फार्मास्यूटिकल्स में, भारत ने सस्ती जेनेरिक दवाओं और चिकित्सा उपकरणों के आपूर्तिकर्ता के रूप में अपनी भूमिका पर प्रकाश डाला और बिजनेस-टू-बिजनेस जुड़ाव बढ़ाने का प्रस्ताव रखा। दोनों पक्षों ने स्वच्छता और पादप स्वच्छता बाधाओं को दूर करते हुए कृषि उत्पादों में व्यापार बढ़ाने पर भी चर्चा की।नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में, भारत ने सौर और पवन परियोजनाओं सहित केन्या की स्वच्छ ऊर्जा पहलों का समर्थन करने की तत्परता व्यक्त की। केन्याई पक्ष ने सूचित किया कि उसने अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर करने का अपना निर्णय बता दिया है और वह जल्द से जल्द इस पर हस्ताक्षर करने के लिए उत्सुक है। डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना पर हुई चर्चा में यूपीआई जैसी भुगतान प्रणालियों, भारत कनेक्ट और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने वाले डिजिटल प्लेटफार्मों पर सहयोग शामिल था। क्षमता निर्माण को सहयोग के एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में पहचाना गया। भारत ने भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम जैसी पहलों के तहत खनन, भूविज्ञान, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान किए। उच्च शिक्षा, डिजिटल शिक्षण प्लेटफार्मों और कौशल विकास में सहयोग के साथ-साथ ष्स्टडी इन ईंडियाष कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र गतिशीलता को बढ़ावा देने पर भी चर्चा की गई। दोनों पक्षों ने विविधतापूर्ण, संतुलित और भविष्योन्मुखी आर्थिक साझेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की और व्यापार को सुगम बनाने, लंबित मुद्दों को हल करने और व्यापार-से-व्यापार जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए संस्थागत तंत्र को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। संयुक्त व्यापार सम्मेलन (जेटीसी) के दौरान, भारत-केन्या संयुक्त व्यापार मंच का आयोजन किया गया, जिसमें भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और केन्या राष्ट्रीय वाणिज्य एवं उद्योग चैंबर (केएनसीसीआई) के प्रतिनिधियों सहित प्रमुख भारतीय और केन्याई व्यवसायों ने भाग लिया। भारत सरकार के वाणिज्य सचिव श्री राजेश अग्रवाल और केन्या गणराज्य की व्यापार प्रधान सचिव सुश्री रेजिना अकोता ओम्बम ने मुख्य भाषण दिए। उनके साथ केएनसीसीआई के अध्यक्ष और इन्वेस्टकेन्या के मुख्य कार्यकारी अधिकारी भी उपस्थित थे। इस मंच ने उद्योग जगत के नेताओं को विनिर्माण, कृषि, फार्मास्यूटिकल्स, अवसंरचना, डिजिटल प्रौद्योगिकी और सेवाओं जैसे क्षेत्रों में व्यापार और निवेश संबंधों का विस्तार करने के लिए एक मंच प्रदान किया। इसके अतिरिक्त, बैठक के दौरान, भारत-केन्या चैंबर ऑफ कॉमर्स ने भारत सरकार के वाणिज्य विभाग के सचिव श्री राजेश अग्रवाल की अध्यक्षता में स्थानीय भारतीय व्यापार समुदाय के साथ एक संवाद का आयोजन किया।

गहन आध्यात्मिक उत्साह के बीच तथागत बुद्ध के पवित्र अवशेष लेह पहुंचे

नई दिल्ली। गहन आध्यात्मिक उत्साह और भक्तिमय वातावरण के बीच, तथागत बुद्ध के पवित्र पिपरावा अवशेष आज लेह पहुंचे, जो केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में एक ऐतिहासिक आध्यात्मिक उत्सव के प्रारंभ का प्रतीक है। स्वागत समारोह में पारंपरिक प्रस्तुतियां, औपचारिक सम्मान और पवित्र अनुष्ठान संपन्न हुए। द्रुकपा थुकसे रिनपोचे और माथो मठ के खेनपो थिनलास चोसल द्वारा एक विशेष वायु सेना विमान से दिल्ली से लाए गए अवशेषों को लद्दाख के उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना ने खामतक रिनपोचे, रिग्याल रिनपोचे, लद्दाख गोम्पा एसोसिएशन के अध्यक्ष वेन. दोरजे स्टैनजिन, लद्दाख बौद्ध एसोसिएशन के अध्यक्ष चेरिंग दोरजे लकरुक, पूर्व सांसद थुपस्टन चेवांग और जामयांग त्सेरिंग नामग्याल, पूर्व सीईसी एलएएचडीसी लेह ताशी ग्यालसन और विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधियों सहित प्रमुख धार्मिक और सार्वजनिक हस्तियों की उपस्थिति में ग्रहण किया। लद्दाख पुलिस ने औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया, जबकि भिक्षुओं ने विशेष प्रार्थनाएं कीं। औपचारिक स्वागत के बाद, अवशेषों को एक भव्य जुलूस में जीवत्सल ले जाया गया, जो 1 मई से सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थान है। यह 2569 वीं बुद्ध पूर्णिमा का दिन है। इस आयोजन में लद्दाख भर से समुदाय बड़ी तादाद में मौजूद रहे, जो एकता, आस्था और सामूहिक श्रद्धा को दर्शाती है। इस दौरान हजारों श्रद्धालु पारंपरिक वेशभूषा में जीवत्सल तक जाने वाले मार्ग पर पवित्र अवशेषों के दर्शन के लिए कतार में खड़े थे। पवित्र अवशेषों को साथ लेकर आए वरिष्ठ अधिकारियों का स्कूल के बच्चों और तिब्बती समुदायों के लोगों ने पारंपरिक वेशभूषा में फूलों और शुभकामनाओं के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर को अत्यंत शुभ बताते हुए उपराज्यपाल श्री सक्सेना ने कहा कि पवित्र अवशेषों के आगमन से पूरे क्षेत्र को आशीर्वाद प्राप्त हुआ है। हालांकि इन अवशेषों को पहले अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित किया जा चुका है, लेकिन यह पहली बार है कि इन्हें इनके मूल संरक्षण स्थान से निकालकर भारत में प्रदर्शित किया जा रहा है। श्री सक्सेना ने इस पवित्र आयोजन के लिए लद्दाख को चुनने के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया और बौद्ध धर्म और आध्यात्मिकता से इस क्षेत्र के गहरे जुड़ाव पर प्रकाश डाला। उन्होंने लोगों से भगवान बुद्ध का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए बड़ी संख्या में भाग लेने का आग्रह किया। पिछले कई वर्षों में, भगवान बुद्ध के पवित्र पिपरावा अवशेषों को थाईलैंड, मंगोलिया, वियतनाम, रूस, सिंगापुर, भूटान, श्रीलंका और म्यांमार सहित कई देशों में प्रदर्शित किया गया है, जिससे वैश्विक ध्यान और श्रद्धा का संचार हुआ है। लद्दाख में, ये अवशेष 2 से 10 मई तक जीवत्सल में सार्वजनिक दर्शन के लिए उपलब्ध रहेंगे, इसके बाद 11 और 12 मई को जांस्कर में और फिर 13 से 14 मई तक लेह के धर्म केंद्र में प्रदर्शित किए जाएंगे, और अंत में 15 मई को दिल्ली वापस लाए जाएंगे। गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्रियों, राजदूतों, बौद्ध बहुल राज्यों के मुख्यमंत्रियों और विभिन्न बौद्ध संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ लेह में श्रद्धा अर्पित करने के लिए उपस्थित रहेंगे।

स्वदेशी ''सेल ब्रॉडकास्ट सिस्टम'' का अखिल भारतीय परीक्षण जारी

नई दिल्ली। संचार मंत्रालय के दूरसंचार विभाग (डीओटी) द्वारा, भारत सरकार के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सहयोग से, देशभर में मोबाइल आधारित आपदा संचार प्रणालियों को मजबूत किया जा रहा है ताकि नागरिकों तक महत्वपूर्ण जानकारी समय पर पहुंचाई जा सके। एनडीएमए ने सफलतापूर्वक एकीकृत अलर्ट सिस्टम (।ब्म्ज्) को क्रियान्वित किया है, जिसे दूरसंचार विभाग के प्रमुख अनुसंधान एवं विकास केंद्र सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स (सी-डॉट) द्वारा विकसित किया गया है। यह प्रणाली अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) द्वारा अनुशंसित कॉमन अलर्टिंग प्रोटोकॉल (सीएपी) पर आधारित है। यह वर्तमान में भारत के सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में संचालित है और भू-लक्षित क्षेत्रों में मोबाइल उपयोगकर्ताओं को एसएमएस के माध्यम से आपदा और आपातकालीन अलर्ट पहुंचाती है। आपदा प्रबंधन अधिकारियों द्वारा इस प्रणाली का व्यापक रूप से उपयोग किया गया है, जिसके माध्यम से अब तक प्राकृतिक आपदाओं, मौसम चेतावनियों और चक्रवाती घटनाओं के दौरान 19 से अधिक भारतीय भाषाओं में 134 बिलियन से अधिक एसएमएस अलर्ट भेजे जा चुके हैं। समय-संवेनशील परिस्थितियों जैसे सुनामी, भूकंप, बिजली गिरने और गैस रिसाव या रासायनिक खतरे जैसी मानव-निर्मित आपात स्थितियों में अलर्ट प्रणाली को और मजबूत करने के लिए एसएमएस के साथ-साथ सेल ब्रॉडकास्ट (सीबी) तकनीक भी शुरू की गई है। सेल ब्रॉडकास्ट प्रणाली में, एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र के भीतर सभी मोबाइल उपकरणों पर एक साथ अलर्ट भेजे जाते हैं, जिससे लगभग रियल-टाइम में सूचना पहुंचती है। इस सेल ब्रॉडकास्ट आधारित सार्वजनिक आपातकालीन अलर्ट प्रणाली के स्वदेशी विकास और कार्यान्वयन की जिम्मेदारी सी-डॉट को सौंपी गई है।

देशभर में इसके कार्यान्वयन और सेल ब्रॉडकास्ट सुविधा के शुभारंभ के तहत, औपचारिक शुरुआत से पहले इसकी कार्यक्षमता और विश्वसनीयता का आकलन करने के लिए व्यापक परीक्षण और ट्रायल किए जा रहे हैं।

स्वामी एवं प्रकाशक मौ. वसी के लिये मुद्रक नुसरत निशान खान द्वारा कौमी गुलदस्ता प्रिंटर्स, विलेज आमवाला, पोस्ट घंघौरा, देहरादून द्वारा, उत्तराखण्ड-248141 से मुद्रित एवं 5, लेन नम्बर 2, नामदेव एन्क्लेव फेस 2, ब्राहम्णवाला, देहरादून उत्तराखण्ड- 248171 से प्रकाशित। सम्पादक-मौ. वसी,
समस्त विवाद के लिये न्याय क्षेत्र देहरादून मान्य होगा। सम्पर्क- 9411112331
हमारे अखबार के ताजा अंक को ऑनलाइन पढ़ने के लिये www.aawamindia.com वेबसाइट पर जायें।
facebook: www.facebook.com/indiaaawam, youtube:www.youtube.com/@aawamindia,
X:www.x.com/aawamindia, Instagram:https://instagram.com/aawamindia